

मौर्य साम्राज्य भारतीय इतिहास में एक महत्वपूर्ण अध्याय बना हुआ है, जो इसकी क्षेत्रीय पहुंच, प्रशासनिक नवाचारों और अशोक के नैतिक परिवर्तन की विशेषता है। इसने प्राचीन भारत के राजनीतिक और सांस्कृतिक परिदृश्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और देश की विरासत में इसके योगदान के लिए इसे मनाया जाता है।

मौर्य साम्राज्य प्राचीन भारतीय इतिहास में सबसे महत्वपूर्ण और प्रभावशाली साम्राज्यों में से एक था, जो अपने विशाल क्षेत्रीय विस्तार, प्रभावी प्रशासन और कला और संस्कृति में योगदान के लिए जाना जाता था। मौर्य साम्राज्य के बारे में मुख्य बातें इस प्रकार हैं:

1. स्थापना और उत्थान:

- मौर्य साम्राज्य की स्थापना चंद्रगुप्त मौर्य ने लगभग 322 ईसा पूर्व भारतीय उपमहाद्वीप के उत्तरी भाग में की थी।
- चंद्रगुप्त मौर्य के सत्ता में आने में राजनीतिक रणनीतिकार चाणक्य की मदद मिली, जिन्हें कौटिल्य के नाम से भी जाना जाता है, जिन्होंने "अर्थशास्त्र" लिखा था, जो शासन कला पर एक प्राचीन ग्रंथ है।

2. प्रादेशिक विस्तार:

- चंद्रगुप्त और उनके उत्तराधिकारियों के शासन के तहत, मौर्य साम्राज्य का काफी विस्तार हुआ, जिसमें अधिकांश भारतीय उपमहाद्वीप शामिल थे।
- चंद्रगुप्त के पोते, अशोक महान, को उनकी व्यापक विजय के लिए जाना जाता है, जिसके कारण मौर्य साम्राज्य चरम पर था।

3. प्रशासन:

- मौर्य साम्राज्य में एक सुपरिभाषित नौकरशाही के साथ एक उच्च संगठित प्रशासनिक प्रणाली थी।
- साम्राज्य को प्रांतों में विभाजित किया गया था, प्रत्येक प्रांत एक प्रांतीय गवर्नर द्वारा शासित था। अधिकारियों और जासूसों के एक नेटवर्क ने नियंत्रण बनाए रखने में मदद की।
- मौर्य प्रशासन कुशल था और चाणक्य द्वारा प्रतिपादित धर्म के सिद्धांतों पर निर्भर था।

4. अशोक का शासन और धम्म:

- सबसे प्रसिद्ध मौर्य सम्राटों में से एक, अशोक ने क्रूर कलिंग युद्ध के बाद बौद्ध धर्म अपनाया और इस विश्वास के प्रवर्तक बन गए।
- उन्होंने धम्म नामक एक नैतिक और नैतिक संहिता को बढ़ावा दिया, जिसमें अहिंसा, करुणा और सहिष्णुता पर जोर दिया गया। इन सिद्धांतों को फैलाने के लिए स्तंभों और चट्टानों पर शिलालेख अंकित किये गये।

5. कला और वास्तुकला:

- मौर्य काल में वास्तुकला के चमत्कार देखे गए, जिनमें प्रसिद्ध अशोक स्तंभों का निर्माण, उनकी अद्वितीय सिंह राजधानी भी शामिल थी।
- सांची स्तूप, एक प्रतिष्ठित बौद्ध स्मारक, इस अवधि के दौरान बनाया गया था।

6. अस्वीकार:

- अशोक की मृत्यु के बाद मौर्य साम्राज्य का धीरे-धीरे पतन हो गया।
- उत्तराधिकार के संघर्ष, बाहरी दबाव और आर्थिक चुनौतियों ने इसके विखंडन में योगदान दिया।

7. विरासत:

- मौर्य साम्राज्य की विरासत महत्वपूर्ण है। इसने एक मजबूत केंद्रीकृत प्रशासन की स्थापना की और भारत और उसके बाहर बौद्ध धर्म के प्रसार में योगदान दिया।
- मौर्य शासकों द्वारा प्रचारित प्रशासनिक सिद्धांत और नैतिक मूल्य भारतीय शासन और संस्कृति को प्रभावित करते रहे।

8. ऐतिहासिक अभिलेख:

- मौर्य काल को शिलालेखों, विशेष रूप से अशोक के शिलालेखों के माध्यम से अच्छी तरह से प्रलेखित किया गया है, जो साम्राज्य के इतिहास, प्रशासन और नीतियों के बारे में जानकारी प्रदान करते हैं।

